Name: _____ Date: _____

कामचोर

प्रश्न-1 बच्चों के ऊधम मचाने के कारण घर की क्या दुर्दशा हुई?

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

प्रश्न-2 भरा-पूरा परिवार कैसे सुखद बन सकता है और कैसे दुखद? कामचोर कहानी के आधर पर निर्णय कीजिए।

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

https://educationwithfun.com

कामचोर

प्रश्न-1 बच्चों के ऊधम मचाने के कारण घर की क्या दुर्दशा हुई?

उत्तर बच्चों के ऊधम मचाने से घर अस्त-व्यस्त हो गया था। कालीन को झाड़ते वक्त पूरे घर में धूल भर दी गई थी। झाड़ू टूट चुकी थी और उसकी सींके गायब थीं। चारों तरफ टूटे हुए तसले, बालटियाँ, लोटे, कटोरे बिखरे पड़े थे। घर के सारे बर्तन अस्त-व्यस्त हो गए थे। सारे घर में मुर्गियाँ ही मुर्गियाँ थीं। भेड़ें इधर - उधर दौड़ रही थीं। चाचा बेचारे तो जैसे अपनी जान बचा ही पाए थे। तरकारी वाली तो अपनी तरकारी खराब होने का मातम रो-रोकर माना रही थी। यहाँ तक कि बच्चों को नहलाने धुलाने के लिए नौकरों को पैसे देने पड़े। इन सब के कारण पारिवारिक शांति भी भंग हो गई थी। अम्मा ने तो घर छोड़ने तक का फैसला ले लिया था।

प्रश्न-2 भरा-पूरा परिवार कैसे सुखद बन सकता है और कैसे दुखद? कामचोर कहानी के आधर पर निर्णय कीजिए।

उत्तर यदि सारा-परिवार मिल जुलकर कार्य करे तो घर को सुखद बनाया जा सकता है। कामों के क्षमतानुसार विभाजित करने से कहानी जैसी दुखद स्थिति से बचा जा सकता है। कार्यों को बाँटने से किसी दूसरे को काम करने के लिए कहने की जरुरत नहीं होगी और तनाव भी उत्पन्न नहीं होगा। इससे सारे घर में आपसी प्रेम का विकास होगा और खुशहाली ही खुशहाली होगी। इसके विपरीत यदि घर के सदस्य घर के कामों के प्रति बेरूखा व्यवहार रखेंगे और किसी भी काम में हाथ नहीं बटाएँगे तो सारे घर में अशांति ही फैलेगी, घर के सभी सदस्य कामचोर बन जाएँगे और अपने कामों के लिए सदैव दूसरों पर निर्भर रहेंगे । इसलिए चाहिए कि बचपन से ही बच्चों को उनके काम स्वयं करने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर और ज़िम्मेदार व्यक्ति बन सकें।

https://educationwithfun.com